लघु उद्योगों में निवेश का कम किया जाना

2360. **श्री रमा शंकर कौशिक** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या सरकार लघु उद्योगों में निवेश की सीमा को कम करने पर विचार कर रही हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उघोग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रूपये से घटाकर 1 करोड़ रूपये किया जायेगा। प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा लघु उद्योगों को आश्वासन

2316. **श्री जनार्दन यादव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को प्रधान मंत्री द्वारा लघु और मझोले उद्योगों को दिये गये आश्वासन की जानकारी हैं;

(ख) क्या इसे कार्यान्वित करने के लिए कोई कदम उठाये गये हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) से (ग) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में, प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उद्योग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रूपये से घटाकर 1 करोंड़ रूपये किया जायेगा। आवश्यक प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही हैं।

Dclicensing of Sugar Industry

2362. SHRI AKHILESH DAS:
DR. KARAN SINGH:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have lately decided to delicense the sugar industry;

(b) if so, what factors and reasons have led to this decision; and

(c) the extent of sugar-cane that was left uncrushed during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 but for non-availability of crushing and processing capacity of sugar mills?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) and (b) Yes, Sir. Government has delicensed the sugar industry with the objective to allow greater freedom to entrepreneurs to take investment and technology decisions in the industrial sector which would contribute to faster industrial growth.

(c) As per the information received from the Government of Maharashtra, 13.68 lakh tonnes of cane remained un-crushed in the sugar season 1995-96 for which the State Government compensated the concerned farmers @ Rs.5000/-per acre. No such case was reported by any other State during the period 1995-96 to 1997-98.

नमक विक्रय व्यापार में बड़े उद्योग

2363. **श्री राज मोहिन्दर सिंह** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि सरकार द्वारा बड़े उद्योगों को देश में नमक-विक्रय उद्योग में कारोबार करने की अनुमति प्रदान कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा यह अनुमति किस तारीख को दी गई थी और यह अनुमति देते समय क्या-क्या शर्ते स्वीकार की गई थी;

(ग) क्या यह भी सच हैं कि वर्तमान में देश में अनेक बड़े उद्योगपति नमक में कार्यरत हैं; और

(घ) यदि हां, तो उनके नाम क्या-क्या हैं तथा इन बड़े उद्योगपतियों द्वारा देश के कुल नमक व्यापार का कितना भाग व्यापारिक दृष्टि से उपयोग करके व्यापार किया जा रहा हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख) देश में नमक का व्यापार करने के लिए सरकार की अनुमतित ली जानी अपेक्षित नहीं हैं। तथापि, बड़े उद्योग जिन्होने अपनी ग्रहीत औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए नमक विनिर्माण हेतु नमक वर्क्स स्थापित किए हैं, उन्हें उपलब्ध फालतू नमक को घरेलू बाजार में बिक्रि के लिए जारी करने के लिए उक्त स्टाक के मामले में नमक आयुक्त की पूर्वानुमति लेनी आवश्यक होती हैं। ऐसी अनुमति केवल समयवधि में एक उपाय के रूप में

प्रदान की जाती है जो देश में समग्र नमक स्टाक की स्थिति पर निर्भर करती हैं।

टाटा कैमीकल्स लि. एकमात्र कंपनी जो वैक्युम साल्ट का विनिर्माण करती हैं को घरेलू बाजार में वैक्युम आयोडाइस्ड नमक/शुद्व नमक की बिक्री किए जाने के लिए अस्सी के दशक के मध्य से हर वर्ष आधार पर अनुमति दी गई हैं। उन्हे अन्तिम वार खाने के प्रयोजनार्थ 3.5 लाख टन वैक्युम आयोडाइस्ड नमक तथा चालू वर्ष में औद्योगिक प्रयोजनार्थ 1.00 लाख टन आयोडाइस्ड विहीन वक्युम नमक/शुद्व नमक की बिक्री की अनुमति दी गई थी।

(ग) और (घ) तात्कालीन केन्द्रीय आवकारी तथा नमक अधिनियम, 1944 के अन्तर्गत नमक विनिर्माण के लिए बहुत से बड़े उद्योगों को लाइसेंस प्रदान किये गये है। ऐसे बड़े उद्योगों के नाम जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उनके द्वारा वर्ष 1997 में नमक का किया गया उपभोग/उनके द्वारा नमक के किए गए व्यापार की मात्रा विवरण में दी गई हैं।

विवरण

ऐसे उद्योग की सूची जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उक्त के द्वारा वर्ष 1997 में उपयोग किया गया नमक/व्यापार किए गए नमक की मात्रा दर्शाई गई हैं:

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	1997 में नमक की ग्रहीत उपभोग (टन) में	1997 में घरेलू बाजार बिक्री की गयी नमक की मात्रा (टन में)	देश में कुल नमक उत्पादन की तुलना में उपभोग/बेचे गये नमक की मात्रा की प्रतिभतता(% में)
1.	मैं. टाटा केमिकल्स लिमिटेड	15,06,765	3,03,490	12.70
2.	मै. बल्लारपुर इंडस्ट्रीज लि.	1,12,232	शून्य	0.78
3.	मै. गुजरात हेवी केमिकल्स लि.	3,59,631	शून्य	2.52
4.	मै. सौराष्ट्र केमिकल्स लि.	2,22,368	शून्य	1.56
5.	मै. सेंचुरी केमिकल्स लि.	61,505	शून्य	0.43
6.	मै. कनोरिया केमिकल्स	34,356	शून्य	0.24
7.	मै. स्टैंडर्ड साल्ट वर्क्स (स्टैंडर्ड अल्कली लिमिटेड)	19,655	शून्य	0.14
8.	मै. डी सी डब्ल्यू लिमिटेड, धरंगधा	1,39,631	शून्य	0.98
9.	मै. डी सी डब्ल्यू लि.	90,000	शून्य	0.63
10.	मै. डी सी डब्ल्यू लि. वेडरानाम	80,000	शून्य	0.56
	योग	26,26,143	3,3,490	20.56

Payment of wages to workers of BPMEL

2364. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether workers on the rolls of Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. (BPMEL) are not being paid their monthly wages;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether employees are being paid the wages only when they are opting for VRS; and

(d) if so, the reasons for the differential treatment to the employees on roll and the VRS optees?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SHRI SUKHBIR SINGH BADAL): (a) Em-